महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

वर्ष-3 अंक-19
फरवरी, 2025

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in
NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in
NCC Email-ncc@mgug.ac.in

संपादकीय

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की मासिक पत्रिका सेवा पथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर की राष्ट्रीय एवं स्थानीय गतिविधियों और उपलब्धियों पर केंद्रित संयुक्त पत्रिका है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज, कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह जी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव जी के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के नए अध्याय लिख रहा है।

आस्था और भक्ति के अमृत स्नान महाकुंभ में प्रत्यक्ष रूप से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने प्रयागराज में त्रिवेणी में डुबकी लगाकर जन्म जन्मांतर का पुण्य प्रसाद का सौभाग्य ग्रहण किया वही 14 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय कैडेट कोर और राष्ट्रीय सेवा योजना ने संयुक्त रूप से समपर्णम दीप भावांजलि से पुलवामा वीर शहीदो को नमन किया। पुलवामा वीरों को पुष्प अर्पण और दीप जलाकर समपर्णम भाव से श्रद्धांजलि दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे और राष्ट्रीय कैडेट कोर के एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारत माता के जयघोष, हाथों में दीप और मोमबत्ती लेकर पूरे विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थियों ने भाव अर्पण किया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। पुलवामा में शहीद हुए वीर शहीदो में रोहितास लांबा, रतन कुमार ठाकुर, मोहन लाल जी, संजय राजपूत, नारायण लाल गुर्जर, संजय कुमार सिन्हा, भागीरथ सिंह, पीके साहू, बबलू संतारा, गुरू एच, जीत राम, कुलविंदर सिंह, सी शिवचंद्रन, मनेश्वर सुमातारी, सुदीप बिस्वास, सुब्रमण्यम जी, संता कुमार वीवी, मनोज कुमार बेहरा, विजय सोरेंग, सुखजिंदर सिंह, नसीर अहमद, हेमराज मीणा, नितिन, शिवाजी राठौड़, मनिंदर सिंह अत्री, जयमाल सिंह, विजय कुमार मौर्या, महेश कुमार, कौशल कुमार रावत, अश्वनी कुमार काओची, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, वीरेंद्र सिंह, राम वकील, अवधेश कुमार यादव, रमेश यादव, श्याम बाबू, प्रदीप सिंह, अजीत कुमार आजाद, तिलकराज, शहीद पंकज कुमार त्रिपाठी के नाम दिया जलाकर समपर्णम भाव से नमन किया।

शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देता रहेगा। एक एक दिया शहीदों को समर्पित कर देश के प्रति अपने कर्तव्यों को नई रोशनी दिखाया है जिससे सभी को प्रेरणा ऊर्जा मिलता रहेगा। आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश और शहीदों की शहादत को सम्मान देने के लिए देशवासियों को इस दिन को नमन करने का संकल्प लेना चाहिए। पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों का बलिदान देशवासियों के लिए अमूल्य है। उनके संघर्ष और शौर्य की कहानी न केवल उनके परिवारों के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठा समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे 'बालाकोट एयर स्ट्राइक' के नाम से जाना जाता है। इस हमले ने यह साबित कर दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ हर कदम पर तैयार है और शहीदों के बलिदान का बदला लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त आयोजन से राष्ट्र सेवा संकल्प की प्रेरणा निरंतर नए संकल्पों की ऊर्जा देता रहेगा।

विश्व कैंसर दिवस : वाद-विवाद प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

वाद–विवाद प्रतियोगिता के दौरान प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण

दिनांक : 04 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग में नचिकेता इकाई एवं आर्यभट इकाई के द्वारा विश्व कैंसर दिवस पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. राकेश कुमार मुखिया सह आचार्य मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग हिन्द मेडिकल कॉलेज अटरिया सीतापुर एवं मुख्य वक्ता श्री आनन्द कुमार शर्मा, ट्यूटर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग हिन्द मेडिकल कॉलेज अटरिया सीतापुर रहें। अपने व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. मुखिया ने बताया कि कैंसर 'एक ऐसी बीमारी है जिसमें असामान्य और अनियंत्रित कोशिका विभाजन होता है जो रक्त और लसीका के साथ संचार करके आसपास के ऊतकों और शरीर के दूर के अंगों पर भी हमला करता है। हम तम्बाकू, आहार और जीवनशैली की कुछ आदतों को बदल कर कैंसर को रोका सकते है।

हमे कैंसर पीड़ित व्यक्ति से दूरी बनाने के बजाए उनकी मदद करना चाहिए वहीं मुख्यवक्ता श्री आनन्द ने कैंसर के हर पहलू से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए बताया कि कैंसर क्या है कैसे होता है किस प्रकार फैलता है और हम आसानी से लैब में आरटीपीसीआर, बायोपसी इत्यादि के माध्यम से इसके बारे मे पता लगा सकते है कैंसर एक लाइलाज बीमारी नहीं है बस जागरूक होकर समय से चिकित्सा के माध्यम से बचा जा सकता है।

व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन सुश्री सृष्टि यदुवंशी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे विभागाध्यक्ष मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग डॉ. धीरेन्द्र कुमार, डॉ. किरन कुमार, श्रीमती प्रज्ञा पांडेय, श्री जन्मेजय सोनी, के साथ समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रश्मि झा, श्री अनिल कुमार के देखरेख में आयोजित किया गया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

वाद–विवाद प्रतियोगिता के दौरान सम्बोधित करते डॉ. अखिलेश दुबे एवं डॉ. कुलदीप सिंह

दिनांकः 05 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना व कृषि संकाय के संयुक्त तत्वाधान में परिजात इकाई द्वारा बजट 2025 के विषय पर वाद.विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़ .चढ़ कर प्रतिभाग किया। बजट 2025 को आर्थिक विकासों की

गति मानते हुए स्वयंसेवकों ने इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बजट को दूरदर्शी बताया। स्वयंसेवकों द्वारा बजट के मुख्य पहलुओं में मखाना बोर्ड का गठनए कृषि ऋण में बढ़ोतरीए दलहन फसलों में आत्मनिर्भरता तथा अन्य आर्थिक सुधारों की विस्तृत चर्चा की गई । कार्यक्रम डॉ आयुष कुमार पाठक के निर्देशन व कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने बजट 2025 को अबतक का श्रेष्ठतम बजट बताते हुए कहा कि यह बजट केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट था इस बजट में मध्यम वर्गीय परिवारों को आयकर में राहत दी गई है। निर्णायक मंडल की भूमिका निभाते हुए कार्यकम समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ए सहायक आचार्य डॉ कुलदीप सिंह व श्री पीयूष आनंद ने संयुक्त रूप से परिणाम घोषित किया। कार्यकम का संचालन अनिकेत मल्ल व आभार ज्ञापन प्रगति सिंह ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दुबे सहायक आचार्य डॉ विकास कुमार यादवए डॉ शाश्वती प्रेम कुमारी ए डॉ नवनीत सिंह प्रतिभागी अखिलेश चौरसियाएआदित्य चौहानएउत्कर्ष सिंहएप्रियांश मौर्याए बादल पटेलए हिमांशू सिंहएरजनीश चौरसियाएशुभम मौर्याएअमन चौरसियाए नेहा सिंहएप्रियंबदा सिंहएममता गुप्ताएरोहित निषादएउत्कर्ष पटेल व पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

वाद–विवाद प्रतियोगिता में बजट–2025 विषय पर वाद–विवाद करते स्वयंसेवक

वाद-विवाद प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

वाद–विवाद प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण

दिनांकः 08 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसस की आर्यभट इकाई एवं शिवाजी इकाई के संयुक्त तत्वावधान में वाद–विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों के स्वयसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी प्रतियोगिता का विषय विन्दु 'बजट–2025' था। जिस पर आर्यभट इकाई के स्वयंसेवक प्रतिभागियों ने पक्ष में एवं शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रभावशाली वक्तृत्व शैली, तार्किक क्षमता और सटीक तथ्यों के साथ दर्शकों एवं निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रश्मि झा ने वाद–विवाद प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और आत्मविश्वास को विकसित करती हैं। निर्णायक मंडल में. श्री बलदेव प्रसाद विश्वकर्मा, श्री अनिरुद्ध सेन, श्री सुमित शामिल रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण, तर्कशीलता एवं विषय की गहराई को ध्यान में रखते हुए परिणाम घोषित किया। प्रतियोगिता में शिवाजी को प्रथम स्थान, आर्यभट्ट को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

अंत में, कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रश्मि झा ने किया, यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की भावना को सशक्त बनाने और युवाओं में जागरूकता एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

कार्यक्रम में प्रो. सुनील सिंह अधिष्ठाता सम्बध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, श्री रवि निषाद, श्री जनमेजय सोनी, श्री श्रृष्टि यदुवंशी, श्री वात्स्य त्रिवेदी उपस्थित रहें।

एक दिवसीय नेत्र शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय जागरूकता शिविर में नेत्र जांच करते हुए डॉ. अभिनव सिंह राठौड़

दिनांकः 10 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा मनीराम में एक दिवसीय नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का आयोजन पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव तथा डॉ. अखिलेश कुमार दुबे (राष्ट्रीय सेवा योजना) के समन्वयक के नेतृत्व में, नेत्र परीक्षण अधिकारी डॉ. कुंवर अभिनव सिंह राठौड़ तथा श्री जय शंकर पाण्डेय जी (कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना) एवं स्वयंसेवकों द्वारा कुल 230 मरीज का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया और उनको निःशुल्क औषधि वितरण किया गया।

यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजन के अंतर्गत होने वाली एकदिवसीय शिविर का अभिन्न

का भाग है। इस शिविर का उद्घाटन श्री महेंद्र पाल सिंह जी विधायक द्वारा किया गया तथा उन्होंने इस शिविर की बहुत सराहना की, और बोला कि तरह का शिविर हर गांव शहर कस्बे में होना चाहिए। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित फैकेल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय के स्वयंसेवकों द्वारा इस शिविर का सकुशल आयोजन तथा समापन हुआ। साथ ही साथ विश्वविद्यालय परिसर में संचालित ऑप्टोमेट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुंवर अभिनव सिंह राठौर की मुख्य भूमिका शिविर में रही, शिविर के मुख्य आयोजक डॉ. घनश्याम सिंह ने स्वयंसेवकों के कार्य की खूब सराहना की शिविर में स्वयंसेवकों की कुल संख्या 30 रही।

एक दिवसीय जागरूकता शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय जागरूकता शिविर के दौरान साफ–सफाई करते स्वयंसेवक

दिनांकः 13 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा द्वितीय एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन, गांव–गांव पहुंचे 'दवा मित्र' गोरखपुर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की माता शबरी इकाई (फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय) के स्वयंसेवकों ने समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इकाई के तत्वावधान में दिनांक 13.02. 2025 को ग्राम सभा सोनबरसा में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया और 'दवा मित्र' के रूप में घर–घर जाकर सर्वे भी किया।

एच.आई.वी. उन्मूलनः स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को एच. आई.वी./एड्स के कारण, बचाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इस बीमारी से जुड़े मिथकों को दूर करने और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

चेचक उन्मूलनः चेचक के खतरे और इसके टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे टीकाकरण से इस घातक बीमारी से बचा जा सकता है।

नशा मुक्तिः नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराया गया। युवाओं को नशाखोरी से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया और नशा मुक्ति केंद्रों के बारे में जानकारी दी गई।

स्वच्छताः स्वच्छता के महत्व पर बल देते हुए ग्रामीणों को अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि स्वच्छता से कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

मलेरिया एवं डेंगू उन्मूलनः मलेरिया और डेंगू के मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने और इन बीमारियों से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। ग्रामीणों को मच्छरदानी के उपयोग और साफ पानी जमा न होने देने के बारे में बताया गया।

इस शिविर में 'दवा मित्र' की एक नई अवधारणा प्रस्तुत की गई। स्वयंसेवकों ने गांव के प्रत्येक घर में जाकर परिवारों से उपरोक्त बीमारियों के बारे में बातचीत की और उनका सर्वे किया। उन्होंने ग्रामीणों को बीमारियों के लक्षणों, उपचार और बचाव के बारे में जानकारी दी। :दवा मित्र' के रूप में, स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के

समाधान के लिए सही मार्गदर्शन भी दिया।

इस शिविर में इकाई के स्वयंसेवकों ने ग्राम स्थल पर स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता अभियान चलाया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें बीमारियों से बचाव के लिए सही जानकारी देना था। उन्होंने कहा कि 'दवा मित्र' की पहल के माध्यम से ग्रामीणों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता अभियान चलाने की बात कही।

इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं स्वयंसेवक में चंदन यादव, आदित्य यादव, सूरज यादव इत्यादि ने भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। इस तरह के जागरूकता अभियान समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है

पुलवामा वीरों शहीदों को श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय कैडेट कोर

पुलवामा वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देते विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी

दिनांकः 14 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने पुलवामा वीरों को पुष्प अर्पण और दीप जलाकर समपर्णम भाव से श्रद्धांजलि दिया।

14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। ब्लैक डे के रूप में घोषित आज के दिन राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने वीर जवानों के नाम दीप जलाकर समपर्णम भाव अर्पण किया।

पुष्प अर्पण करते हुए नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा ने कहा कि आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है। पुलवामा की आतंकी घटना ने सिर्फ हमारे देश के वीर जवानों को ही नहीं छीना बल्कि परिवार से आत्मीय रिश्ते को भी बिखेर दिया है। शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देता रहेगा।

आज महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने एक–एक दिया शहीदों को समर्पित कर देश के प्रति अपने कर्तव्यों को नई रोशनी दिखाया है जिससे सभी को प्रेरणा ऊर्जा मिलता रहेगा।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश और शहीदों की शहादत को सम्मान देने के लिए देशवासियों को इस दिन को नमन करने का संकल्प लेना चाहिए। पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों का बलिदान देशवासियों के लिए अमूल्य है। उनके संघर्ष और शौर्य की कहानी न केवल उनके परिवारों के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। शहीदों का बलिदान हमें यह सिखाता है कि मातृभूमि की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाना पड़ता है, सोसियेट एनसीसी आफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठा समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे 'बालाकोट एयर स्ट्राइक' के नाम से जाना जाता है।

इस हमले ने यह साबित कर

दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ हर कदम पर तैयार है और शहीदों के बलिदान का बदला लिया। 'पुलवामा में शहीद हुए वीर शहीदो में रोहितास लांबा, रतन कुमार ठाकुर, मोहन लाल जी, संजय राजपूत, नारायण लाल गुर्जर, संजय कुमार सिन्हा, भागीरथ सिंह, पी.के. साहू, बबलू संतारा,गुरू एच, जीत राम, कुलविंदर सिंह,सी शिवचंद्रन, मनेश्वर सुमातारी, सुदीप बिस्वास, सुब्रमण्यम जी, संता कुमार वीवी, मनोज कुमार बेहरा, विजय सोरेंग, सुखजिंदर सिंह, नसीर अहमद, हेमराज मीणा, नितिन, शिवाजी राठौड़, मनिंदर सिंह अत्री, जयमाल सिंह, विजय कुमार मौर्या, महेश कुमार, कौशल कुमार रावत, अश्वनी कुमार काओची, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, वीरेंद्र सिंह, राम वकील, अवधेश कुमार यादव, रमेश यादव, श्याम बाबू, प्रदीप सिंह, अजीत कुमार आजाद, तिलकराज, शहीद पंकज कुमार त्रिपाठी के नाम दिया जलाकर समपर्णम भाव नमन किया। कैडेट्स ने भारत माता की जय और वंदेमातरम् के उद्घोष से शहीदों को याद किया। सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल सार्जेंट खुशी गुप्ता, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कॉरपोरल हर्यश्व साहनी, कृष्णा, आशुतोष मणि, अमृता, अस्मिता सिंह, प्रीति शर्मा, अमित चौधरी, चांदनी निषाद, खुशी यादव, संजना शर्मा, अतिका तिवारी, उजाला सिंह, अर्पिता राय, विकाश यादव, अभिषेक मिश्रा, अरुण विश्वकर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा, रघुवीर प्रताप सिंह, अनुभव पाण्डेय, आदित्य सिंह, नीलेश यादव, शिखर पाण्डेय, राहुल कुमार, अमन, काजल गौतम, प्रियेश राम त्रिपाठी, आदित्य पांडेय, काजल, विवेकानंद यादव, राहुल यादव ने सभी विद्यार्थियों संग दीप जलाकर भावांजलि भाव समर्पण किया। समर्पणम में प्रमुख रूप से गुरु श्री गोरक्षनाथ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के विभाग अध्यक्ष डॉ. शांति भूषण हंदूर, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, डॉ. कुलदीप सिंह, श्री शुभम मौर्या, श्री साध्वी नंदन पांडेय, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ. अमित दुबे, डॉ. अवैद्यनाथ सिंह, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, श्री प्रवीण कुमार सिंह, श्री पियूष आनंद, श्री दीपक कुमार, श्री धनंजय पाण्डेय, अनिल कुमार शर्मा, दिलीप मिश्रा, श्रीमती जूही तिवारी, सुश्री श्रेया मद्धेशिया, पूजा जायसवाल, नंदनी जायसवाल, श्री रवि निषाद, सुरक्षा अधिकारी श्री राम यादव सहित राष्ट्रीय सेवा योजना माता शबरी इकाई के स्वयं सेवक उपस्थित रहें।

एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में साफ–सफाई करते हुए स्वयंसेवक

दिनांकः 15 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा प्राथमिक विद्यालय मनीराम में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का आयोजन पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव तथा डॉ. अखिलेश कुमार दुबे (राष्ट्रीय सेवा योजना) के समन्वयक एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री जय शंकर पांडे के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

श्री जय शंकर पाण्डेय जी (कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना) एवं स्वयंसेवकों द्वारा कुल 60 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व हीमोग्लोबिन की निःशुल्क जांच की गई साथ ही प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वयंसेवकों द्वारा हाथों की स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया।

यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत होने वाली एकदिवसीय शिविर का अभिन्न भाग है।

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित फैकेल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय के स्वयंसेवकों द्वारा इस शिविर का सकुशल आयोजन तथा समापन हुआ साथ ही शिविर में स्वयंसेवकों की कुल संख्या 40 रही।

एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच करते हुए चिकित्सक एवं स्वयंसेवक

दिनांकः 15 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा प्राथमिक विद्यालय मानीराम में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी श्री जय शंकर पांडे के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम अधिकारी जय शंकर पाण्डेय ने स्वयंसेवकों के सहयोग से कुल 60 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क हीमोग्लोबिन की जांच किया गया। प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वयंसेवकों द्वारा हाथों की स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया।

द्वितीय एकदिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

द्वितीय एकदिवसीय शिविर के दौरान पोस्टर के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते स्वयंसेवक

दिनांक: 16 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के पारिजात इकाई द्वारा द्वितीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन सिकटौर ग्राम सभा में किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा शिविर का आयोजन लेबल पढ़ेगा भारत, स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता इत्यादि विषयों पर आयोजित किया गया।

स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को स्वच्छता, शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, खाद्य पदार्थों पर लगे लेबल की जांच करके उपयोग करनेए हानिकारक पदार्थों का सेवन न करने, नशामुक्ति, कूड़ा प्रबंधन इत्यादि पर विस्तृत जानकारी प्रदान किया। एकदिवसीय शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में व अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे और समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में अनिकेत मल्ल, बादल पटेल, अक्षत सिंह, आलोक जायसवाल, प्रियंश मौर्य, आलोक गुप्ता, श्रेया पांडेय, अंशिका जायसवाल, आयुषी चौहान, नेहा सिंह व पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

द्वितीय एकदिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

एकदिवसीय शिविर में ग्रामीणों को जागरूक करते स्वयंसेवक

दिनांकः 16 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की माता शबरी एवं पारिजात इकाइयों द्वारा विभिन्न ग्रामसभा में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य समाज में विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूकता फैलाना था।

ग्राम रहमत नगर, मानीराम में माता शबरी इकाई का तृतीय विशेष शिविर माता शबरी इकाई (फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय) द्वारा ग्राम सभा रहमत नगर, मानीराम में तृतीय एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान से हुई, जिसमें ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस शिविर में निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

कैंसर उन्मूलन जागरूकताः कैंसर के खतरे, बचाव के उपाय और प्रारंभिक जांच के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

नशा मुक्ति जागरूकताः नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव और नशा मुक्ति के उपायों की जानकारी दी गई।

स्वच्छता जागरूकताः व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा की गई।

चेचक उन्मूलन जागरूकताः चेचक के लक्षण, बचाव और टीकाकरण के महत्व पर जानकारी दी गई।

एचएमपी वायरस से बचावः इस वायरस के बढ़ते खतरे और इससे बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, सामाजिक दूरी और स्वास्थ्य दिशा–निर्देशों के पालन पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि इस शिविर में इकाई के सभी पंजीकृत स्वयंसेवकों ने पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ भाग लिया।

शिविर आयोजन में ग्राम प्रधान श्री कृष्ण मोहन चौधरी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ग्राम सभा सिकटौर में पारिजात इकाई ने लगाया द्वितीय एक दिवसीय शिविर दूसरी तरफ राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई द्वारा सिकटौर ग्राम सभा में द्वितीय एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 'लेबल पढ़ेगा भारत' अभियान, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया गया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को विभिन्न विषयों पर जागरूक किया, जिनमें शामिल रहे।

खाद्य पदार्थों पर लगे लेबल की जांच करके उपयोग करने की आदत विकसित करना।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करना। हानिकारक पदार्थों का सेवन न करने और नशामुक्ति पर जोर देना।

कूड़ा प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को समझाना।

कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया, जबकि डॉ. विमल कुमार दूबे एवं डॉ. अखिलेश दूबे के मार्गदर्शन में यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान राकेश सिंह के सहयोग के साथ पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से अनिकेत मल्ल, बादल पटेल, अक्षत सिंह, आलोक जायसवाल, प्रियंश मौर्य, आलोक गुप्ता, श्रेया पांडेय, अंशिका जायसवाल, आयुषी चौहान, नेहा सिंह आदि शामिल रहे।

इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वस्थ, जागरूक और सशक्त बनाना था। राष्ट्रीय सेवा योजना के ये विशेष शिविर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुए।

शिवाजी महाराज की जयंती

राष्ट्रीय सेवा योजना

शिवाजी महाराज की जयंती पर भाषण प्रस्तुत करती छात्रा

दिनांकः 19 फरवरी, 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सम्बन्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और वीर मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरुआत शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात वक्ताओं ने उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व, अद्वितीय नेतृत्व क्षमता एवं स्वराज्य स्थापना में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक शासक ही नहीं, बल्कि वे निडरता, न्याय और प्रशासनिक कुशलता के प्रतीक थे। उनके सिद्धांत आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिनमें शिवाजी महाराज के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को दर्शाया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ सपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव के साथ समस्त स्वयंसेवक के साथ उपस्थित सभी लोगों को छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर मिला तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

शिवाजी महाराज की जयंती

राष्ट्रीय सेवा योजना

तृतीय एकदिवसीय शिविर के दौरान ग्राम सिकटौर में ग्रामीणों को स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते स्वयंसेवक

दिनांकः 28 फरवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई द्वारा आज सिकटौर ग्राम सभा में तृतीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 'वृक्ष लगाओ, हरियाली बढ़ाओ', 'लेबल पढ़ेगा भारत' और 'स्वच्छता जागरूकता' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अभियान चलाया गया।

शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ' और 'शुद्ध हवा अगर है लेनी, तो पेड़ लगाना है ज़रूरी' जैसे प्रभावी स्लोगन के माध्यम से ग्रामवासियों को हरियाली का महत्व समझाया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए उन्हें स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया गया। साथ ही, खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़कर जागरूक उपभोग करने, हानिकारक पदार्थों के सेवन से बचने, नशामुक्ति अपनाने, और कूड़ा प्रबंधन जैसे विषयों पर जानकारी दी गई।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्री राकेश सिंह ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान ग्रामीण समुदाय के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति भी लोगों में जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को इस प्रकार के सराहनीय प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की उम्मीद जताई। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में एवं अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे और समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुराग कसौधन, विकास यादव, सत्यम तिवारी, अंजलि सिंह, अंकिता कुशवाहा, अखिलेश चौरसिया, अक्षय पांडेय, जुबैर अहमद, आलोक पटेल, विशाल गुप्ता इत्यादि समेत पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

ऑल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप

ऑल इण्डिया माऊटेनिंग कैम्प के चयनित कैडेट के साथ माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह

दिनांक : 02 फरवरी, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के अंडर आफिसर मोती लाल और अंडर आफिसर अंशिका सिंह ऑल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तर काशी (उत्तराखंड) में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व करेंगे।

4 फरवरी से 15 फरवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर के लिए कैडेट्स आज रेल मार्ग द्वारा उत्तर काशी के लिए हुए रवाना। कैडेट्स के चयन पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दिया।

कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। 102 यू. पी. बटालियन द्वारा दो कैडेट्स अंडर आफिसर अंशिका सिंह और अंडर ऑफिसर मोती लाल के चयन और माउंटेनिंग ट्रेनिंग से सभी कैडेट्स में नई ऊर्जा का संचार होगा।

ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप में राष्ट्रीय कैडेट कोर गोरखपुर मुख्यालय से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के दो कैडेट्स के चयन से विश्वविद्यालय गौरांवित हो रहा है। 102 यू.पी. बटालियन के अधिकारियों और प्रशिक्षकों के दिशा निर्देश पर कैडेट्स निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

कैडेट्स को गोरखपुर एन.सी.सी. मुख्यालय के साथ बटालियन और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व करने का सौभाग्य मिला है। अंडर आफिसर अंशिका सिंह संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय और अंडर आफिसर मोती लाल कृषि संकाय के विद्यार्थी (कैडेट्स) है।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में कैडेट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं।

चयनित कैडेट्स उत्तर काशी में नेहरु पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) में कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व में माउंटेनिंग ट्रैकिंग एडवेंचर का प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे। कैडेट्स अपने अथक परिश्रम से विश्वविद्यालय और बटालियन का नाम रोशन करेंगे। कैडेट्स बटालियन के हवलदार रविन्द्र देसाई के मार्गदर्शन में शिविर में सम्मिलित होंगे।

कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा, अधिष्ठता डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामना दिया।

सम्मान

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स को सम्मानित करते माननीय कुलपति प्रो. सुरिन्दर सिंह

दिनांक : 15 फरवरी, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने सम्मानित किया।

कैडेट्स को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि अपने अदम्य शौर्य और अनुशासन से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित कर रहे है।

एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे है। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है।

कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि एनसीसी, कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय 102 यू.पी. बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया।

उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में डेयर डेविल्स, गार्ड ऑफ आनर, युवा दिवस, और कारगिल दिवस पर हुए प्रतियोगियों के सभी प्रतिभागियों को मैडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, आदित्य विश्वकर्मा, अमित चौधरी, कृष्णा त्रिपाठी, हर्षव साहनी, आशुतोष मणि त्रिपाठी, सागर यादव, आशुतोष सिंह, अनुभव, प्रियेश राम त्रिपाठी, शिवम सिंह, खुशी यादव, शालनी चौहान, चांदनी निषाद, अमृता कन्नौजिया, अस्मिता सिंह, श्रद्धा उपाध्याय, संजना शर्मा, प्रीति शर्मा, आंचल पाठक, द्राक्षा बानो, गौरी कुशवाहा, अरुण विश्वकर्मा, विकास यादव, अभिषेक मिश्रा, अरविंद विश्वकर्मा, ज्ञानेश्वर प्रताप मौर्या, शिखर पाण्डेय, नीलेश यादव, आलोक दीक्षित, आदित्य सिंह, अनुभव पाण्डेय, मनीष गुप्ता, अमन चौरसिया, आलोक सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, आदित्य पांडेय, रघुवीर प्रताप, अतिका तिवारी, उजाला सिंह, अनुराधा, काजल गौतम, पार्वती साहनी, अंजली सिंह, काजल, को सम्मानित किया गया।

बी सर्टिफिकेट आंतरिक परीक्षा मंथन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

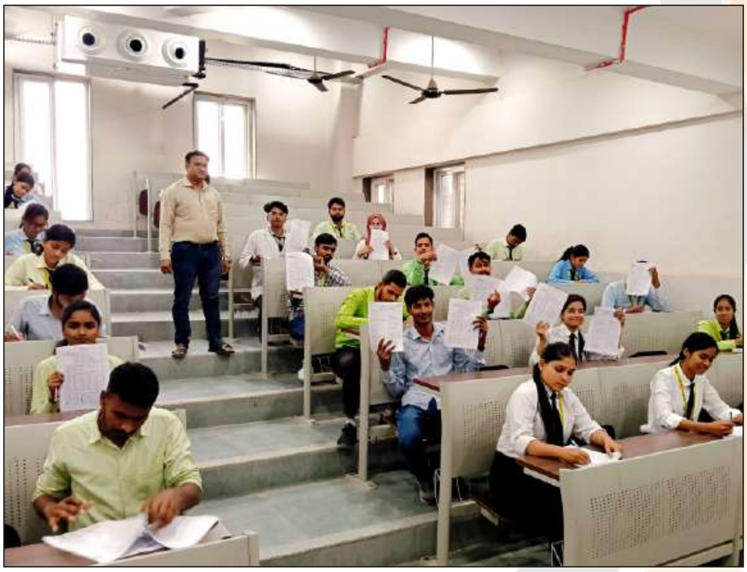

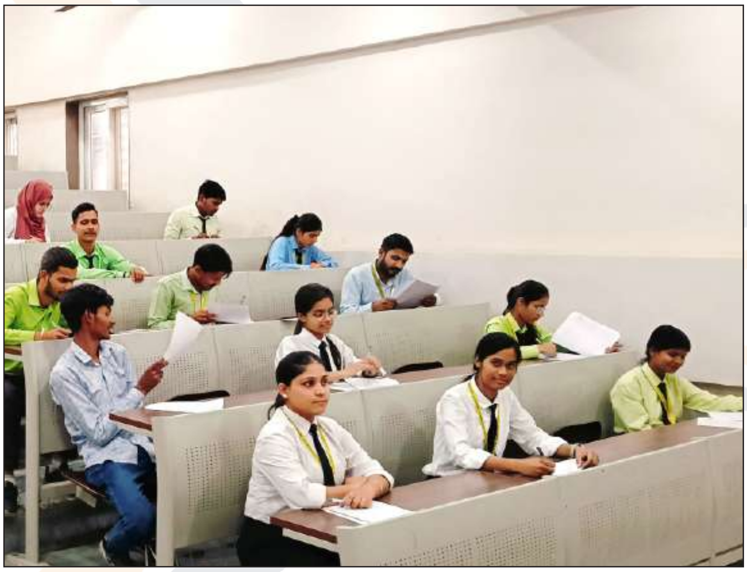

राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स की बी सर्टिफिकेट की परीक्षा में प्रतिभाग करते कैडेट्स

दिनांक : 21 फरवरी, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित 102 यू पी बटालियन गोरखपुर की कंपनी में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स की बी सर्टिफिकेट की परीक्षा के लिए मंथन आंतरिक परीक्षा कराया गया।

21 फरवरी 2024 को एसोसिएट एन सी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में 32 कैडेट्स ने आंतरिक परीक्षा में सम्मिलित हुए। बहुविकल्पी प्रश्नों के आधार पर कैडेट्स को एन सी सी, सैन्य रक्षा सेवा, ड्रिल एवं कमांड्स, शस्त्र प्रशिक्षण, मानचित्र, क्षेत्र एवं कौशल, साहसिक क्रिया कलाप, राष्ट्रीय एकता और अखंडता, नेतृत्व एवं विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आत्म रक्षा, पर्यावरण, भारत का इतिहास, धर्म संस्कृति सामान्य ज्ञान और सामाजिक ज्ञान से संबंधित कुल सौ प्रश्नों का प्रश्न पत्र दिया गया। जिसमें सभी प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य था।

लेफ्टीनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एन सी सी बी प्रमाण पत्र की परीक्षा भारत सरकार के एन सी सी निदेशालय द्वारा पूरे भारत में एक साथ बृहद स्तर पर कराया जाता है। जो आगामी 30 मार्च 2025 को करवाया जा रहा है। जिसमें उन्हीं कैडेट्स को सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा जिन्होंने एक कैंप के साथ 75 प्रतिशत की उपस्थिति परेड बटालियन स्तर और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित आयोजनों में सम्मिलित हुए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले कैडेट्स को 5 प्रतिशत अतिरिक्त अंक परीक्षा में डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के समय उपलब्ध होगा। एएनओ लेफ्टीनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा कैडेट्स के हित में कराए जा रहे आंतरिक परीक्षा के नवाचार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह जी ने आगामी बी परीक्षा के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि परीक्षा मंथन एक नया नवाचार है जिससे बहुविकल्पी प्रश्नों का अभ्यास करके कैडेट स्वयं को तैयार करने का अभ्यास कर रहे है। पूर्ण विश्वास है बी सर्टिफिकेट परीक्षा में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करेंगे।

ऑल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तर काशी

राष्ट्रीय कैडेट कोर

ऑल इण्डिया माऊटेनिंग कैम्प में चयनित कैडेट की वापसी पर माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह द्वारा सम्मान

दिनांक : 22 फरवरी, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के अंडर आफिसर अंशिका सिंह और अंडर आफिसर मोती लाल ने ऑल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तर काशी (उत्तराखंड) में उत्तर प्रदेश और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह जी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एन. सी.सी. कैडेट्स ने भारतीय पर्वतारोहण संस्थान के पेशेवर प्रशिक्षकों से प्रशिक्षित होने का सौभाग्य ग्रहण किया है। जिससे आने वाले समय में बटालियन के सहयोग से विश्वविद्यालय निरंतर नई उपलब्धियों से नए कीर्तिमान स्थापित कर सभी को प्रेरणा ऊर्जा मिलेगा।

कैडेट्स के चयन और माउंटेनिंग ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण कर लौटे कैडेट्स को कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह जी ने सम्मानित किया।

चयनित कैडेट्स ने उत्तर काशी में नेहरु पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) में कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व में माउंटेनिंग ट्रैकिंग एडवेंचर का प्रशिक्षण ग्रहण किया।

अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने बताया कि उत्तर काशी, उत्तराखंड में हर्षिल पहाड़ पर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दिया गया। पर्वतारोहियों के लिए यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और कठिनाइयों से भरा हुआ है, प्रशिक्षण के लिए क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, जलवायु, और चुनौतीपूर्ण पर्वत श्रृंखलाएँ इसे पर्वतारोहण का गुण और नेतृत्व अभ्यास के लिए प्रेरित करता है। यहां के ऊँचे पर्वत, कठिन रास्ते और घने जंगल प्रशिक्षुओं को पर्वतारोहण की कठिनाइयों का सामना करने का एक वास्तविक अनुभव प्रदान करते हैं। यहां के रिवर क्रॉसिंग, ग्लेशियर क्रॉसिंग और बर्फीले मार्गों पर अभ्यास कर एक श्रेष्ठ पर्वतारोही बन सकते है। एन.आई.एम. प्राचार्य कर्नल अंशुमान सिंह भदौरिया, पर्वतारोही हर्षा रावत ने प्रशिक्षकों का मनोबल बढ़ाया।

अंडर ऑफिसर मोती लाल ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एन.आई.एम. में कुशल प्रशिक्षकों के दिशा–निर्देश पर पहाड़ों पर चढ़ने का कौशल अद्भुत रहा। विपरीत प्राकृतिक वातावरण में प्रकृति के अनुरूप स्वयं को ढालना चुनौती होती हैं। पर्वतारोहण में शारीरिक सहनशक्ति, ताकत, मानसिक दृढ़ता, एकाग्रता और संघर्ष के साथ टीमवर्क और नेतृत्व की भावना को विकसित होती हैं।

लेफ्टीनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पर्वतारोहण प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर कैडेट्स का उत्साह और मनोबल ऊंचा हुआ है। नेतृत्व गुण और सकारात्मक दृष्टि से विपरीत परिस्थित में स्वयं को तैयार कर निर्णय लेने की क्षमता अनुशासन कौशल का विकास कैडेट्स में दिख रहा है।

कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व सिद्धांत और तकनीकी प्रशिक्षण ग्रहण किया है। पहले चरण में, प्रशिक्षुओं को पर्वतारोहण की मूलभूत बातें सिखाई जाती हैं, जैसे कि बेसिक रॉक क्लाइम्बिंग, हिमनद क्रॉसिंग, और बर्फीली परिस्थितियों में सुरक्षा उपाय।

इसके साथ ही, पर्वतारोहण के उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करने की जानकारी भी दी जाती है। पहाड़ों पर चढ़ने, उतरने, रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रैकिंग और संकरे रास्तों पर चलने के लिए कैडेट्स तैयार रहते है।

इस चरण में प्रशिक्षुओं को प्राकृतिक आपदाओं, जैसे बर्फबारी, आंधी और बारिश के दौरान पर्वतारोहण करने का अभ्यास कराया जाता है।

इस प्रक्रिया में उनका मानसिक और शारीरिक धैर्य परखने का प्रयास किया जाता है। उत्तर काशी के क्षेत्र में कठिन मार्ग, बर्फीले रास्ते और घने जंगल प्रशिक्षियों के लिए वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देता है।

कैडेट्स के सकुशल प्रशिक्षण ग्रहण करने पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, हवलदार रविन्द्र देसाई सहित सभी शिक्षकों और कैडेट्स ने पर्वतारोहण प्रशिक्षण से लौटे कैडेट्स को बधाई दिया।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण उत्तरकाशी उत्तराखंड ने जीवन के लक्ष्य को दी नई दिशा

जय हिन्द वन्देमातरम

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर की अंडर आफिसर अंशिका सिंह को गोरखपुर मुख्यालय से पर्वतारोहण प्रशिक्षण उत्तरकाशी उत्तराखंड एन.आई.एम. में प्रशिक्षण के लिए चयनित होने का सौभाग्य मिला। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह जी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह जी, बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी, अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी और एसोशिएट एन.सी.सी. ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव जी के आशीर्वाद से उत्तराखंड शिविर में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। इस शिविर के रोमांचकारी साहसिक प्रशिक्षण ने मेरे जीवन के लक्ष्य को नई दिशा दिया है। आर्मी का सैन्य जन जीवन और अनुशासन को उनके बीच रहकर जीना और सीखना महत्वपूर्ण रहा। सामान्य परिवार से निकलकर विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय कैडेट कोर के द्वारा पहाड़ों पर चढ़ने और यात्रा के दौरान आने वाले चुनौतियों के लिए स्वयं को मानसिक और शारीरिक रूप से वातावरण में ढालना एक कड़ी चुनौती थी। ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव से सर ने एन.सी.सी. में भर्ती के समय से ही अनुशासित ट्रेनिंग देकर निरंतर भीड़ से अलग आगे आकर नेतृत्व क्षमता को विकसित करने की प्रेरणा दिया।

उत्तर काशी, उत्तराखंड में हर्षिल पहाड़ पर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण उत्साहित करने वाला रहा। पर्वतारोहियों के लिए यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और कठिनाइयों से भरा हुआ है, प्रशिक्षण के लिए क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, जलवायु और चुनौतीपूर्ण पर्वत श्रृंखलाएं इसे पर्वतारोहण का गुण और नेतृत्व अभ्यास के लिए प्रेरित करता है। यहां के ऊँचे पर्वत, कठिन रास्ते और घने जंगल प्रशिक्षुओं को पर्वतारोहण की कठिनाइयों का सामना करने का एक वास्तविक अनुभव प्रदान करते हैं। यहां के रिवर क्रॉसिंग, ग्लेशियर क्रॉसिंग और बर्फीले मार्गों पर अभ्यास कर एक श्रेष्ठ पर्वतारोही बन सकते है। एन.आई.एम. प्राचार्य कर्नल अंशुमान सिंह भदौरिया, पर्वतारोही हर्षा रावत ने प्रशिक्षकों का मनोबल बढ़ाया। 1 फरवरी 2025 को जरूरी डाक्यूमेंट पूरा करने के बाद 2 फरवरी को ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट (डॉ) संदीप श्रीवास्तव सर, सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और मित्रो ने गोरखपुर स्टेशन पर बटालियन हवलदार रविन्द्र देसाई सर के साथ गोरखपुर जंक्शन से उत्तरकाशी उत्तराखंड के लिए ट्रेन में शुभाशीष देकर रवाना किया। महाकुंभ की भीड के कारण 24 घंटे की यात्रा हमने 36 घंटे में पूरी कर उत्तरकाशी उत्तराखंड पहुंचे। रिसेप्शन सेल से एन.आई.एम. के अधिकारियों के देखरेख में NIM आडिटोरियम मे ब्रीफिंग के लिए भेजा गया, जहां एस.एम. हजारी सर ने हमे पहाड़ के जन जीवन और यात्रा में आने वाले चुनौती, नियम और अनुशासन के साथ सामंजस्य बनाने हेतु प्रेरित किया। सुबह 6 बजे से रात के 8 बजे तक ट्रेनिंग का पूरा चार्ट हमे पूरा करना था। इस ट्रेनिंग में मेरे साथ अंडर ऑफिसर मोतीलाल ने पूरा सहयोग किया। शरीर गला देने वाले ठंड में सुबह 6 बजे पर पीटी परेड में 800 मीटर की दौड़ के बाद 5000 फिट की ऊंची पहाड़ी पर चलने का अभ्यास कुशल सैन्य प्रशिक्षकों की निगरानी में कराया जा रहा था। नीचे से ऊंचे पहाड़ी पर 25 से 30 किलो के वजन के साथ सामंजस्य बनाना नियमित अभ्यास में शामिल था। NIM के प्रिन्सिपल कर्नल अंशुमान भदौरिया जी ने ओपनिंग एड्रेस में पिछले वर्षों के अनुभव के साथ हमारे सामने आने वाली चुनौतिपूर्ण सफर के बारे मे उत्साहित किया। NIM कैम्पस, म्युजियम, आडिटोरियम मे माउंटेनिंग जीवन से जुड़े उपकरण और मॉडल्स को देखने का अवसर मिला। NIM कैम्पस से 68 किमी दूर हरसिल पहाड तक बस की यात्रा के बाद (9000 फिट) कोलमी गाँव की हमने अपने रक्षक के साथ ट्रैकिंग करके होम स्टे तक पहुंचे। यह मेरे अभी तक के जीवन की पहली यात्रा थी, जो मैने इतने भारी रक्षक सामान के साथ तय किया, उस समय मेरी हिम्मत पूरी तरह से टुट चुकी थी। मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि मेरे से होगा या नही, मैं क्या और कैसे करुगी। फिर मैंने अपने ANO लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप श्रीवास्तव सर से बात की और अभी तक के सफर के बारे मे बताया। उन्होंने मुझे मोटिवेट किया, उनके मोटिवेशन के बाद मुझमे हिम्मत आई। अगली सुबह चाय व नाश्ते के बाद 8000 फिट की ट्रैकिंग के बाद हम बर्फ की सतह पर पहुंच गए। जमीन से लगभग दस हजार मीटर की ऊंचाई पर वापस आते समय बर्फ पिघलने के कारण हमे ट्रैकिंग करके वापस बेस कैंप तक आने मे बहुत परेशानी होती थी। अब यह परेशानी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई थी, विभिन्न स्तरीय लोगो के बीच अपनी पहचान बनाए रखना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। अपने टीम की लीडर रहने के कारण मेरी जिम्मेदारी थी कि खुद के साथ मै अपने टीम का मनोबल बढाकर अपने साथ ले कर चले। अपने स्थायी जगह से दूर जाकर अलग जगह पर अपने मनोबल की कायम रखना अपने आप मे बहुत बडी चुनौतिपूर्ण कार्य था, हर सुबह अपने आप को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करके पुरे जोश के साथ अपना दैनिक अभ्यास करती थी। फाइनल प्रैक्टिकल में जितनी भी टेक्नीक सिखाया गया उसका थीम टेस्ट, लिखित परीक्षा हुआ, फिर फीड बैक फार्म भरने के बाद हमे अगले दिन की पैकिंग का समय मिला क्योंकि अगली सुबह हमे अपने सभी सामान के साथ NIM कैम्पस वापस आना था। वापस आने के बाद हमने सभी इकयुपमेनट वापस कियाए फिर हमारा इन्टरव्यू हआ। अगले दिन हमारा ग्रेजुएशन सेरेमनी माउन्टेनियर हरशा रावत मैम ने NIM का बैच पहना कर किया। ग्रुप फोटोग्रॉफ के बाद अपने आशिर्वाद के साथ हमारे इंस्ट्रक्टर ने हमारी विदाई की। सभी के आशिर्वाद और शुभाशीष के साथ हम अपने कैम्पस वापस आए।

–अंडर आफिसर, अंशिका सिंह

पर्वतारोहण प्रशिक्षण उत्तरकाशी उत्तराखंड ने जीवन के लक्ष्य को दी नई दिशा

जय हिन्द वन्देमातरम

मै अंडर आफिसर मोती लाल आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तर काशी (उत्तराखंड) में अपने साथी अंडर आफिसर अंशिका सिंह के साथ उत्तर प्रदेश और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रा. सुरिंदर सिंह जी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी, कृषि अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे जी, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव जी के स्नेह से शिविर में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर को माउंटेनिंग का पहला अवसर मिला था जिसमें प्रतिनिधि के रूप में मैने और साथी अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने दल का नेतृत्व किया।

उत्तर काशी में नेहरु पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) में कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व में माउंटेनिंग ट्रैकिंग एडवेंचर में पेशेवर प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षित होने का सौभाग्य मिला।
एनआई.एम. में कुशल प्रशिक्षकों के दिशा निर्देश पर पहाड़ों पर चढ़ने का कौशल अद्भुत रहा। विपरीत प्राकृतिक वातावरण में प्रकृति के अनुरूप स्वयं को ढालना चुनौती होती हैं। पर्वतारोहण में शारीरिक सहनशक्ति, ताकत, मानसिक दृढ़ता, एकाग्रता और संघर्ष के साथ टीमवर्क और नेतृत्व की भावना को विकसित हुआ हैं। पर्वतारोहण प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर उत्साह और मनोबल ऊंचा हुआ है। नेतृत्व गुण और सकारात्मक दृष्टि से विपरीत परिस्थित में स्वयं को तैयार कर निर्णय लेने की क्षमता अनुशासन कौशल का विकास जीवन का अभिन्न अंग बन गया हैं ।

कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व में पहले चरण में, प्रशिक्षुओं को पर्वतारोहण की मूलभूत बातें सिखाया गया। जैसे कि बेसिक रॉक क्लाइम्बिंग, हिमनद क्रॉसिंग और बर्फीली परिस्थितियों में सुरक्षा उपाय। इसके साथ ही, पर्वतारोहण के उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करने की जानकारी भी दी गई। पहाड़ों पर चढ़ने, उतरने, रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रैकिंग और संकरे रास्तों पर चलने के लिए हम सभी तैयार रहते थे। इस चरण में प्रशिक्षुओं को प्राकृतिक आपदाओं, जैसे बर्फबारी, आंधी और बारिश के दौरान पर्वतारोहण करने का अभ्यास कराया गया। इस प्रक्रिया में मानसिक और शारीरिक धैर्य परखने का प्रयास किया जाता है। उत्तर काशी के क्षेत्र में कठिन मार्ग, बर्फीले रास्ते और घने जंगल प्रशिक्षियों के लिए वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देता है।

04 फरवरी से 17 फरवरी तक चलने वाले शिविर के लिए सभी दस्तावेज पूरा कर 2 फरवरी को रेलमार्ग से उत्तराखंड पहुंचने की तैयारी किया गया। 2 फरवरी को शुरू हुई यात्रा 36 घंटे के सफर के बाद हरिद्वार पहुंचे। वहां रिपोर्टिंग के बाद हरिद्वार से ऋषिकेश के लिए बस की रोमांचकारी यात्रा के बाद उत्तरकाशी नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ़ माउंटेनिंग कैंप पहुंचे। देर रात 9 बजे नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनिंग के शिविर में लंबी यात्रा से शरीर पूरी तरह से टूट चुका था। रिपोर्टिंग के बाद बेस कैंप में भोजन कर पहाड़ी वादी में ठंड का आनंद लिया। नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनिंग की दिनचर्या में योगा, पहाड़ों पर चढ़ना, नीचे उतरना, दौड़ना, जंप करना आदि का अभ्यास कराया जाता था जिससे विपरीत परिस्थिति और मौसम के अनुसार हम स्वयं को ढाल सके। शिविर की सबसे खास बात यह थी कि यहां पर सैन्य जीवन के साथ स्वादिष्ट और लजीज भोजन दिन भर की थकावट को दूर कर देता था। सैन्य प्रशिक्षण और अनुशासन के दायरे में रहकर पहाड़ के वातावरण में स्वयं को तैयार करना एक चुनौती होता था। कुशल प्रशिक्षकों ने हमेशा हम सभी प्रशिक्षुओं का मनोबल बढ़ाया। जिससे किसी भी अनहोनी की आशंका नहीं के बराबर था। राष्ट्रीय कैडेट कोर के उद्देश्य एकता और अनुशासन हमारे जज्बे और हिम्मत को और भी ताकत देता था। शिविर में भारत के अलग–अलग राज्यों से आ, एनसीसी कैडेट और सामान्य नागरिक जो माउंटेनिंग के लिए हमारे साथ कदम से कदम मिला कर चल रहे थे सभी ने पूरे अनुशासन के साथ शिविर के नियमों का पालन किया। कैंप में बोड्र्स एंड स्नो वुड्स और इसकी सटीक बैक पॉलिथीन मेस्टिन मग, एंकलेट स्लीपिंग बैग, हैंड ग्लव्स, गॉगल फ़ेअथेर जैकेट, विंटर जैकेट आदि सामान हमे दिया गया था। हर्षल घाटी से कोलमी नाम के गांव में हमारा साथी कुछ दिन रुके।

बेसिक स्किंग कोर्स में कोलमी से ऊपर पहली बार हमने स्नो देखा था पूरी पहाड़ बर्फ के चद्दर से ढकी हुई थी। प्रकृति के इस अद्भुत दृश्य को पहली बार हम सब इतने करीब से देख कर आनंदित हो रहे थे। हमें यकीन नहीं हो रहा था कि हम हर्षिल में है। बर्फबारी का दृश्य फिल्मों मे देखा करते थे वह हमारी आंखों के सामने था हमने उसको छुआ महसूस किया। यह सब खुली आंखों से देखा गया स्वप्न जैसा था। यह हमारे लिए बहुत खुशी का पल था हर दिन अलग–अलग जानकारी दी जाती थी और जब हमारा आखिरी दिन हर्षिल का था जब हर्षिल से जाने का हुआ तो सभी का चेहरा मायुश था पर हस्ते हस्ते हर्षिल को अलविदा कहा जहा हमने बहुत कुछ सीखा यहाँ सुरक्षित रहा। सकारात्मक ऊर्जा के साथ हमारा साहसिक प्रशिक्षण का शिविर खट्टी मीठी यादों के साथ सफर ख़त्म हुआ। इस शिविर के लिए 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह सर, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा सर और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सर का धन्यवाद है जिन्होंने इस शिविर में सम्मिलित होने का सौभाग्य दिया।

–अंडर आफिसर मोती लाल

समाचार दर्पण

पर्वतारोहण प्रशिक्षण दल में चयनित गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण में जिले का नेतृत्व करेंगे कैडेट्स

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर। वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के अंडर आफिसर मोती लाल और अंडर आफिसर अंशिका सिंह आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व करेंगे। चार से 15 फरवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर के लिए कैडेट्स रविवार को रेल मार्ग से उत्तर काशी के लिए रवाना हुए। कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कैडेट्स के चयन पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, जेसीओ आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण में गोरखपुर का नेतृत्व करेंगे एमजीयूजी के कैडेट्स

पर्वतारोहण प्रशिक्षण से कैडेट्स में होगा नेतृत्व गुण का विकास – कुलपति

पूर्वा टाइम्स समाचार। गोरखपुर, 2 फरवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के अंडर आफिसर मोती लाल और अंडर आफिसर अंशिका सिंह आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। 4 फरवरी से 15 फरवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर के लिए कैडेट्स रविवार को रेल मार्ग से उत्तर काशी के लिए रवाना हुए।

कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। पर्वतारोहण के प्रशिक्षण से कैडेट्स में नेतृत्व गुण का विकास होगा। कैडेट्स बटालियन के हवलदार रविन्द्र देसाई के मार्गदर्शन में शिविर में सम्मिलित होंगे।

कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सहित सभी शिक्षको ने शुभकामनाएं दी हैं।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण में गोरखपुर का नेतृत्व करेंगे एमजीयूजी के कैडेट्स

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के अंडर आफिसर मोती लाल और अंडर आफिसर अंशिका सिंह आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में विवि का प्रतिनिधत्व करेंगे। 4 फरवरी से 15 फरवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर के लिए कैडेट्स रविवार को रेल मार्ग से उत्तर काशी के लिए रवाना हुए।

कैडेट्स के चयन पर विवि के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग

- **पर्वतारोहण प्रशिक्षण से कैडेट्स में होगा नेतृत्व गुण का विकास : कुलपति**

ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विवि के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। पर्वतारोहण के प्रशिक्षण से कैडेट्स में नेतृत्व गुण का विकास होगा। कैडेट्स बटालियन के हवलदार रविन्द्र देसाई के मार्गदर्शन में शिविर में सम्मिलित होंगे। कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सहित सभी शिक्षको ने शुभकामनाएं दी हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ब्लैक डे पर कैंडल जलाकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देते छात्र-छात्राएं व शिक्षक। फोटो : एसएनबी

आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है : डॉ. अजीथा

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में भावांजलि कार्यक्रम
- एनसीसी कैडेट्स ने दी पुलवामा शहीदों को भावांजलि

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने शुक्रवार को भावांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर पुलवामा के वीर शहीदों को नमन किया। कैडेट्स ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दीप जलाकर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है। शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देती रहेंगी। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नों पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्यनिष्ठ समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे बालाकोट एयर स्ट्राइक के नाम से जाना जाता है। इसने यह साबित कर दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कठोरता से खड़ा है। भावांजलि कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण हंदूर, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, डॉ. कुलदीप सिंह, शुभम मौर्या, शसाध्वी नंदन पांडेय, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह समेत कई शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित

गोरखपुर (एसएनबी)। भारतीय युवा मोर्चा के तत्वावधान में पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में शुक्रवार को शास्त्री चौक स्मारक में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के नागरिकों, समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों और युवाओं ने कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर अतुल सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, अमित सिंह, सौरभ श्रीवास्तव, अभिव्यक्ता शर्मा सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, विनोद निषाद, सौरभ, जयदित्य, साहिल श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, अंकित पाल, बसंत, सागर, अंकित पांडेय, आलोक, आशीष सिंह, अभिषेक, रितेश श्रीवास्तव व अरुण अरोरा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मौन रहकर शहीदों को किया नमन

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'ब्लैक डे' का किया गया आयोजन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने शुक्रवार को ब्लैक डे का आयोजन किया। इस दौरान पुलवामा शहीदों की याद में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च में फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय और आयुर्वेद संकाय के छात्रों ने भी भागीदारी की। इसके अलावा एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भी कैंडल मार्च में हिस्सा लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, एनसीसी समन्वयक डॉ. संदीप श्रीवास्तव, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, कविता साहनी, सुमन यादव आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

एनसीसी कैडेट्स ने दी पुलवामा शहीदों को भावांजलि

गोरखपुर, 14 फरवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने शुक्रवार को भावांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर पुलवामा के वीर शहीदों को नमन किया। कैडेट्स ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दीप जलाकर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है। शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देती रहेंगी। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठा समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे बालाकोट एयर स्ट्राइक के नाम से जाना जाता है। इसने यह साबित कर दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कठोरता से खड़ा है। भावांजलि कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण हंदूर, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, डॉ कुलदीप सिंह, शुभम मौर्या, शसाध्वी नंदन पांडेय, डॉ अभिषेक कुमार सिंह समेत कई शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

एनसीसी कैडेट्स ने दी पुलवामा शहीदों को भावांजलि

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने शुक्रवार को भावांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर पुलवामा के वीर शहीदों को नमन किया। कैडेट्स ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दीप जलाकर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है। शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देती रहेंगी। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट.डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठा समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे बालाकोट एयर स्ट्राइक के नाम से जाना जाता है। इसने यह साबित कर दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कठोरता से खड़ा है। भावांजलि कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण हंदूर, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, डॉ कुलदीप सिंह, शुभम मौर्या, शसाध्वी नंदन पांडेय, डॉ अभिषेक कुमार सिंह समेत कई शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने दी पुलवामा शहीदों को भावांजलि

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने शुक्रवार को भावांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर पुलवामा के वीर शहीदों को नमन किया। कैडेट्स ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दीप जलाकर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है। शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देती रहेंगी। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठ समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे बालाकोट एयर स्ट्राइक के नाम से जाना जाता है। इसने यह साबित कर दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कठोरता से खड़ा है।

भावांजलि कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण हंदूर, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, डॉ कुलदीप सिंह, शुभम मौर्या, शसाध्वी नंदन पांडेय, डॉ अभिषेक कुमार सिंह समेत कई शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने दी पुलवामा शहीदों को भावांजलि

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने शुक्रवार को भावांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर पुलवामा के वीर शहीदों को नमन किया। कैडेट्स ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दीप जलाकर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र में आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है। शहीदों के परिवारों के साथ हम सभी की भावनाएं उन्हें जीवन का संबल देती रहेंगी। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट.डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठा समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है। भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया, जिसे बालाकोट एयर स्ट्राइक के नाम से जाना जाता है। इसने यह साबित कर दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कठोरता से खड़ा है। भावांजलि कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण हंदूर, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, डॉ कुलदीप सिंह, शुभम मौर्या, शसाध्वी नंदन पांडेय, डॉ अभिषेक कुमार सिंह समेत कई शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आज का दिन वीर योद्धाओं के शौर्य को नमन करने का है : डॉ. अजीथा

■ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में भावांजलि कार्यक्रम

■ एनसीसी कैडेट्स ने दी पुलवामा शहीदों को भावांजलि

[illegible]

जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित

[illegible]

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ब्लैक-डे पर निकाला कैंडल मार्च, पुलवामा के वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आज का दिन ब्लैक-डे के रूप में मनाया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने कैंडल मार्च निकाला।

कैंडल मार्च में फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय और आयुर्वेद संकाय के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अतिरिक्त एनसीसी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भी इस कैंडल मार्च में हिस्सा लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

प्रतिभागियों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे और एनसीसी समन्वयक डॉ. संदीप श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, कविता साहनी, सुमन यादव, अनिल कुमार, डॉ कुलदीप सिंह, प्रज्ञा पांडेय, शुभम मौर्या, डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, प्रवीण कुमार सिंह, दीपक कुमार, अनिल कुमार शर्मा, दिलीप मिश्रा, पूजा जायसवाल, डॉ विकास यादव, जन्मेजय सोनी, इत्यादि विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थी शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ब्लैक डे पर कैंडल मार्च निकाल कर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि'

संवाददाता

गोरखपुर,। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आज ब्लैक डे के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं और शिक्षकों ने एकजुट होकर कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में फार्मेसी संकाय, कृषि संकाय, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय और आयुर्वेद संकाय के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा, एन.सी.सी कैडेट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भी इस कैंडल मार्च में हिस्सा लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। प्रतिभागियों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे और एनसीसी समन्वयक डॉ. संदीप श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसमें एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, सुश्री कविता साहनी, सुश्री सुमन यादव, श्री अनिल कुमार, डॉ कुलदीप सिंह, श्रीमती प्रज्ञा पाडेय, श्री शुभम मौर्या, डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, श्री प्रवीण कुमार सिंह, श्री दीपक कुमार, अनिल कुमार शर्मा, दिलीप मिश्रा, पूजा जायसवाल, डॉ विकास यादव,श्री जन्मेजय सोनी, इत्यादि विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थी शिक्षक उपस्थित रहे। मार्च के दौरान छात्रों ने ब्लैक डे मनाने के कारणों पर विचार–विमर्श किया।

एमजीयूजी की रासेयो इकाइयों ने गांवों में लगाया विशेष शिविर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की इकाइयों (माता शबरी एवं पारिजात इकाई) ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया।

विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, कैंसर से बचाव, नशा मुक्ति जैसे सामयिक विषयों पर सहन जानकारी दी गई। शिविर का संचालन रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। आयोजन में ग्राम प्रधान कृष्ण मोहन चौधरी का विशेष सहयोग रहा। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर ग्राम सभा में शिविर लगाया।

यहां ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। डॉ. विमल कुमार और डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया। इस शिविर में ग्राम प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

एमजीयूजी की रासेयो इकाइयों ने गांवों में लगाया विशेष शिविर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की इकाइयों (माता शबरी एवं पारिजात इकाई) ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, कैंसर से बचाव, नशा मुक्ति जैसे सामयिक विषयों पर सहन जानकारी दी गई। शिविर का संचालन रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। आयोजन में ग्राम प्रधान कृष्ण मोहन चौधरी का विशेष सहयोग रहा। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर ग्राम सभा में शिविर लगाया। यहां ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। डॉ. विमल कुमार और डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया। इस शिविर में ग्राम प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर किया जागरूक

गोरखपुर, अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की इकाइयों (माता शबरी एवं पारिजात इकाई) ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, कैंसर से बचाव, नशा मुक्ति जैसे सामयिक विषयों पर सहन जानकारी दी गई। शिविर का संचालन रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर ग्राम सभा मे शिविर लगाया। यहा ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। डॉ. विमल कुमार और डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया। इस शिविर में ग्राम प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी की रासेयो इकाइयों ने गांवों में लगाया विशेष शिविर'

संवाददाता

'गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की इकाइयों (माता शबरी एवं पारिजात इकाई) ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को सामाजिक एव स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित सामयिक विषयों पर सहन

शिविर में ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, कैंसर से बचाव, नशा मुक्ति जैसे जानकारी दी गई। शिविर का संचालन रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। आयोजन में ग्राम प्रधान कृष्ण मोहन चौधरी का विशेष सहयोग रहा। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर ग्राम सभा में शिविर लगाया।

यहां ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। डॉ. विमल कुमार और डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक' ने किया। इस शिविर में ग्राम प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

एमजीयूजी की रासेयो इकाइयों ने गांवों में लगाया विशेष शिविर

'गोरखपुर, 16 फरवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की इकाइयों (माता शबरी एवं पारिजात इकाई) ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरुक किया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, कैंसर से बचाव, नशा मुक्ति जैसे सामयिक विषयों पर सहन जानकारी दी गई। शिविर का संचालन रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। आयोजन में ग्राम प्रधान कृष्ण मोहन चौधरी का विशेष सहयोग रहा। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर ग्राम सभा में शिविर लगाया। यहां ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। डॉ. विमल कुमार और डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक' ने किया। इस शिविर में ग्राम प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

रासेयो इकाइयों ने गांवों में लगाया विशेष शिविर

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि में संचालित रासेयो की इकाइयों माता शबरी एवं पारिजात इकाई ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया।

■ शिविर में ग्रामीणों को सामुदायिक स्वच्छता व कैंसर से बचाव की दी गयी जानकारी

विवि के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, कैंसर से बचाव की जानकारी दी गई। संचालन रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। आयोजन में प्रधान कृष्ण मोहन चौधरी का विशेष सहयोग रहा। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर ग्राम सभा में शिविर लगाया। यहां ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। डॉ. विमल कुमार और डॉ.अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया।शिविर में प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

हर्षोल्लास से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई की ओर से बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज की नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। ब्यूरो

अद्वितीय थी शिवाजी महाराज की नेतृत्व क्षमता

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के तत्वावधान बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज विलक्षण व्यक्तित्व वाले थे और उनकी नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के तत्वावधान बुधवार को

छत्रपति शिवाजी जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज विलक्षण व्यक्तित्व वाले थे और उनकी नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई शिवाजी जी की जयंती

गोरखपुर, अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के तत्वावधान बुधवार को छत्रपति शिवाजी जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज विलक्षण व्यक्तित्व वाले थे और उनकी नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के तत्वावधान बुधवार को छत्रपति शिवाजी जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान

वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज विलक्षण व्यक्तित्व वाले थे और उनकी नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ संदीप श्रीवास्तव के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

हर्षोल्लास से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के तत्वावधान बुधवार को छत्रपति शिवाजी जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज विलक्षण व्यक्तित्व वाले थे और उनकी नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के तत्वावधान बुधवार को छत्रपति शिवाजी जी महाराज की

जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज विलक्षण व्यक्तित्व वाले थे और उनकी नेतृत्व क्षमता अद्वितीय थी। उनके आदर्श आज भी सबके लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि झा, अभिषेक सिंह, आयुष पाठक, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण से लौटे एनसीसी कैडेट्स को कुलपति ने किया सम्मानित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में एनसीसी 102 यूपी बटालियन की अंडर आफिसर अंशिका सिंह और अंडर आफिसर मोती लाल ने आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रेकिंग कैंप उत्तर काशी (उत्तराखंड) में उत्तर प्रदेश और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। प्रशिक्षण से लौटे इन कैडेट्स को कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह जी शनिवार को सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स ने भारतीय पर्वतारोहण संस्थान के पेशेवर प्रशिक्षकों से प्रशिक्षित होने का सौभाग्य ग्रहण किया है। इससे आने वाले समय में सभी कैडेट्स को ऊर्जा मिलेगी। अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने बताया कि उत्तर काशी में हर्षिल पहाड़ पर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण

दिया गया। पर्वतारोहियों के लिए यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और कठिनाइयों से भरा हुआ है। अंडर आफिसर मोती लाल ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कुशल प्रशिक्षकों के दिशानिर्देश पर पहाड़ों पर चढ़ने का कौशल अद्भुत रहा। लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पर्वतारोहण प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर कैडेट्स का उत्साह और मनोबल ऊंचा हुआ है। कैडेट्स के सकुशल प्रशिक्षण ग्रहण करने पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, कमांडिग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा आदि ने बधाई दी है।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण से लौटे एनसीसी कैडेट्स को कुलपति ने किया सम्मानित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में एनसीसी 102 यूपी बटालियन की अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह और अंडर ऑफिसर मोती लाल ने आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तर काशी (उत्तराखंड) में उत्तर प्रदेश और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। प्रशिक्षण से लौटे इन कैडेट्स को कुलपति प्रो. सुरिदर सिंह ने शनिवार को सम्मानित किया।

- महायोगी गोरखनाथ विवि. के एनसीसी कैडेट्स ने अनुभव किये साझा
- कहा- पहाड़ों पर चढ़ने का कौशल अद्भुत रहा

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने भारतीय पर्वतारोहण संस्थान के पेशेवर प्रशिक्षकों से प्रशिक्षित होने का सौभाग्य ग्रहण किया है। इससे आने वाले समय में सभी कैडेट्स को उर्जा मिलेगी। अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने बताया कि उत्तर काशी में हर्षिल पहाड़ पर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दिया गया। पर्वतारोहियों के लिए यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और कठिनाइयों से भरा हुआ है। अंडर आफिसर मोती लाल ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कुशल प्रशिक्षकों के दिशानिर्देश पर पहाड़ों पर चढ़ने का कौशल अद्भुत रहा।

लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पर्वतारोहण प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर कैडेट्स का उत्साह और मनोबल उंचा हुआ है। कैडेट्स के सकुशल प्रशिक्षण ग्रहण करने पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, नर्सिंग कालेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा आदि ने बधाई दी है।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण से लौटे एनसीसी कैडेट को कुलपति ने किया सम्मानित

एनसीसी कैडेट के साथ खड़े कुलपति प्रो . सुरिंदर सिंह • जागरण

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी 102 यूपी बटालियन की अंडर आफिसर अंशिका सिंह और अंडर आफिसर मोती लाल ने आल इंडिया माउंटेनिंग ट्रैकिंग कैंप उत्तर काशी (उत्तराखंड) में उत्तर प्रदेश और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इन कैडेट का कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने सम्मानित किया। कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी कैडेटों ने भारतीय पर्वतारोहण संस्थान के पेशेवर प्रशिक्षकों से प्रशिक्षित होने का सौभाग्य ग्रहण किया है। इससे आने वाले समय में सभी कैडेटों को ऊर्जा मिलेगी। अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने बताया कि उत्तर काशी में हर्षिल पहाड़ पर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दिया गया। पर्वतारोहियों के लिए यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और कठिनाइयों से भरा हुआ है। अंडर आफिसर मोती लाल ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कुशल प्रशिक्षकों के दिशा निर्देश पर पहाड़ों पर चढ़ने का कौशल अद्भुत रहा। लेफ्टिनेंट डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पर्वतारोहण प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर कैडेटों का उत्साह और मनोबल ऊंचा हुआ है। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदान्तम, नर्सिंग कालेज की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा आदि ने बधाई दी।

रासेयो स्वयंसेवकों ने शिविर लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की पारिजात इकाई द्वारा आज सिकटौर ग्रामसभा में पौधरोपण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ और शुद्ध हवा अगर है लेनी-तो पेड़ लगाना है जरूरी जैसे स्लोगन के माध्यम से ग्रामवासियों को हरियाली का महत्व समझाया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए उन्हें स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया गया। साथ ही, खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़कर जागरूक उपभोग करने, हानिकारक पदार्थों के सेवन से बचने, नशामुक्ति अपनाने, और कूड़ा प्रबंधन जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राकेश सिंह ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान ग्रामीण समुदाय के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति भी लोगों में जागरूकता बढ़ती है। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में, अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे और समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने शिविर लगा किया जागरूक

जासं. गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई द्वारा शुक्रवार को सिक्टौर ग्रामसभा में पौधरोपण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ और शुद्ध हवा अगर है लेनी-तो पेड़ लगाना है जरूरी जैसे स्लोगन के माध्यम से ग्रामवासियों को हरियाली का महत्व समझाया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए उन्हें स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान राकेश सिंह ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान ग्रामीण समुदाय के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डा. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में, अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दूबे और समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in